15/5/20

4

इनके अनुसार एकोन्माद व्यक्ति एक ऐसा रोगी मनुष्य है जिसकी मानसिक अवस्थायें एक है आवेगिक अन्य सभी विषयों में व्यक्त होती है जैसे - एक विशेष समय में वह आशंकित हो जाए एवं इसमें शराब पीने, चोरी करने या आगे देने की बेतुकी इच्छा उत्पन्न हो जाए। दुर्खीम के अनुसार न तो आत्महत्यात्मक पागलपन (Suicidal Insanity) जैसी कोई चीज होती है और न ही इस बात का कोई प्रमाण है कि विशिष्ट एकोन्माद होता है जो आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है।

आत्महत्या एक विशेष प्रकार का पागलपन नहीं है इस बात की सम्भावना हो सकती है कि केवल पागलपन की अवस्था में आत्महत्या घटित हो और मानसिक अलगावपन का तत्व भी उसमें आवश्यक रूप से मौजूद हो। इस आधार पर दुर्खीम ने चार प्रकार के पागलों की आत्महत्याओं का उल्लेख किया है -

1. उन्मादी आत्महत्या (Maniacal suicide)
2. विषादी आत्महत्या (Melancholy suicide

3) विचारग्रस्त आत्महत्या (obsessive suicide)

4) आवेगी या स्वचालित आत्महत्या (Impulsive or Automatic suicide)

दुर्खीम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि "पागलों की ये सभी आत्महत्याएँ बिना प्रेरक के हैं अथवा बिल्कुल काल्पनिक प्रेरकों द्वारा निर्धारित होती हैं।

आत्महत्या तथा सामान्य मनोवैज्ञानिक अवस्थाएँ – प्रजाति एवं वंशानुक्रम (Suicide and Normal Psychological Stages : Race & Heredity)

दुर्खीम समाज - वैज्ञानिकों ने प्रजाति (Race) एवं वंशानुक्रम (Heredity) के आधार पर आत्महत्या की विवेचना करने का प्रयास किया है, परंतु वस्तुतः यह उचित नहीं प्रतीत होता। "प्रजाति व्यक्तियों के उस वृहत समूह को कहते हैं जिनके सदस्यों की शारीरिक विशेषताएँ समान हों और इन समान विशेषताओं के आधार पर उसे इसी समूह से पृथक

किया जा सके।" दुर्खीम कहते हैं कि यदि प्रजाति व आत्महत्या में कोई सह-सम्बन्ध होता तो एक ही प्रजाति के विभिन्न समूहों में 'आत्महत्या' की प्रवृत्ति में अत्यधिक भिन्नताएँ दिखाई देती हो" इसी प्रकार 'वंशानुक्रमण' व आत्महत्या में कोई सह-सम्बन्ध नहीं पाया जाता।

अनेक आँकड़ों की सहायता से दुर्खीम ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि प्रजाति, वंशानुक्रमण व आत्महत्या में कोई सह-संबंध नहीं है।

आत्महत्या एवं प्राकृतिक कारक (Suicide & cosmic factors) — दुर्खीम ने प्राकृतिक या भौगोलिक कारकों के साथ आत्महत्या के सम्बन्ध की भी आलोचना की है उसने जलवायु (climate) मौसमी तापमान (seasonal Temperature), समय एवं दिन (Time and Day) आदि भौगोलिक तत्वों के साथ आत्महत्या के सह-सम्बन्ध को अस्वीकार

Scanned by CamScanner

नकिया है। दुर्खीम कहते हैं, "औद्योगिक तत्वों के साथ आत्महत्या के सह सम्बन्ध को अस्वीकार किया है। दुर्खीम कहते हैं "भौगोलिक पर्यावरण प्रत्यक्ष रूप में न तो सामाजिक जीवन को तीव्रता प्रदान करते हैं और न ही आत्महत्याओं को बढ़ाने में उनका कोई प्रभाव होता है। आत्महत्याएँ सामाजिक परिस्थितियों पर निर्भर है।"